झारखंड की शिक्षा व्यवस्था

▪ झारखंड में इसाई मिशनरियों का आगमन –

झारखंड क्षेत्र में शिक्षा का विकास इसाई मिशनरियों के आगमन के बाद तेजी से शुरू हुआ। इसाई मिशनरी अपने धर्म प्रचार के साथ झारखंड में विद्यालय, महाविद्यालय स्थापित किए।

⇒झारखंड में प्रवेश करने वाला पहला मिशन गोस्सनर इवेंजेलिकल लुथरन (G.E.L) चर्च मिशन था जिसका प्रवेश 1845 ई. मे हुआ।

▪ गोस्सनर इवेंजेलिकल लुथरन चर्च मिशन

⇒झारखंड में प्रवेश करने वाला प्रथम मिशन – 1845

⇒यह मिशन जर्मनी से आया था

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

⇒ 2 नवम्बर 1845 को रांची मे प्रवेश

⇒ इस मिशन के प्रथम दल के चार मिशनरी–एमिलो स्काच, अगस्ट ब्रांट, फ्रेडरिक वाच एवं थियोडोर जैक थे जिन्हे बर्लिन के बेथलहम चर्च के फादर जी.ई. गोस्सनर द्वारा भेजा गया था।

⇒डा. हैकरलिन के कहने पर इस मिशन ने बर्मा जाने के विचार को त्याग कर छोटानागपुर आने का फैसला किया।

⇒इस मिशन ने 1 दिसबंर 1845 को रांची और डोरंडा के बीच एक केन्द्र की नींव डाली और इसे बैतसेदा का नाम दिया। बैतसैदा का अर्थ पवित्रता का घर।

⇒जुलाई 1919 में गोस्सनर मिशन,गोस्सनर चर्च में परिवर्तित हो गया।

© Click on :- Career foundation

⇒जी.ई.एल मिशन द्वारा 9 जून 1850 ई. को चार कबीरपंथी उरांव आदिवासियों – केशव , नवीन , बंधु एवं घुरन को इसाई धर्म में दिक्षित किया गया।

⇒जी.ई.एल. चर्च मिशन द्वारा सबसे पहला स्कूल रांची में खोला गया जो 1857 में बंद हो गया।

⇒सन् 1899 ई. में इसी मिशन द्वारा गोस्सनर उच्च विद्यालय की स्थापना की गई जो बाद में महाविद्यालय बन गया।

नोट :– सन् 1869 ई. में गोस्नर इवेंजेलिकल लुथरन मिशन का विभाजन हो गया और एक नए मिशन की स्थापना हुई जिसका नाम सोसायटी फॉर प्रोपेगेशन ऑफ गॉस्पेल मिशन (एस.पी.जी) था। यह लंदन (ब्रिटेन) से सम्बंधित था।

▪ सोसायटी फॉर प्रोपेगेशन ऑफ गॉस्पेल मिशन (एस.पी.जी)

जुनून राष्ट्र सेवा का

⇒यह मिशन ब्रिटेन से सम्बंधित है।

⇒17 अप्रैल 1869 ई. को प्रारंभ

⇒इसे चर्च ऑफ नार्थ इंडिया कहा जाता है।

⇒एस.पी.जी मिशन ने 2 प्रकार के ग्रामीण स्कूलों का निर्माण किया – बच्चो के लिए दिवा पाठशाला एवं काम करने वालों के लिए रात्रि पाठशाला

⇒एस.पी.जी मिशन ने रांची हजारीबाग व चाइबासा में आवासीय विद्यालय की स्थापना की।

⇒सन 1898 ई. में एस.पी.जी मिशन ने दृष्टिहीनों के लिए सेंट माइकल स्कुल की स्थापना की ।

⇒1909 में एस.पी.जी महिला प्रशिक्षण विद्यालय खोला गया।

© Click on :- Career foundation

▪ रोमन कैथोलिक मिशन

⇒सन् 1869 ई. में फादर स्टाकमन के चाईबासा आगमन के साथ ही रोमन कैथोलिक मिशन का झारखंड में प्रवेश हुआ।

⇒इस मिशन का वास्तविक क्रियाकलाप 23 नवम्बर 1885 ई. को फादर कान्सटांट लिवेंस के आने पर शुरू हुआ।

⇒फादर कान्सटांट लिवेंस को जन साधारण की भाषा में लिबिन साहब कहते है।

⇒रोमन कैथोलिक मिशन का मुख्यालय सन् 1856 ई. में रांची के पुरूलिया रोड में स्थापित हुआ।

⇒रोमन कैथोलिक मिशन द्वारा 7 जुलाई 1944 ई. को सेंट जेवियर इंटर कॉलेज आरंभ हुआ जो वर्ष 1948 ई. में डिग्री स्तर का कॉलेज बन गया।

▪ द यूनाइटेड फ्री चर्च ऑफ स्काटलैंड मिशन

CAREER FOUNDATION

⇒ द यूनाइटेट फ्री चर्च ऑफ स्काटलैंड मिशन की शुरूआत पचम्बा (गिरिडीह) में 15 दिसम्बर 1871 ई. को चिकित्सक व धर्म प्रचारक रे आर्किबाल्ट टेम्पेलटन के पचम्बा आगमन के साथ हुआ।

⇒संथालों के बीच उत्कृष्ट कार्य करने के लिए 1929 से इस मिशन को संथाल मिशन ऑफ द चर्च ऑफ स्काटलैंड के नाम से भी जाना जाने लगा।

⇒डा. कैम्पबेल को संथालों के बीच उत्कृष्ट कार्य के लिए एपोस्टल ऑफ संथाल कहा जाता है।

⇒डा. कैम्पबेल को ब्रिटिश सरकार द्वारा केशर–ए–हिंद की उपाधि दी गई।

⇒इस मिशन द्वारा प्रथम चर्च द स्टेफेन्सन मेमोरियल चर्च पचम्बा में 1889 ई. में स्थापित किया गया।

⇒इस मिशन द्वारा दुसरा चर्च गिरिडीह में स्थापित किया गया।

© Click on :- Career foundation

डब्लिन यूनिवर्सिटी मिशन

⇒आयरलैंड के डब्लिन यूनिवर्सिटी से स्नातक एक दर्जन अविवाहित यूवकों ने डब्लिन मिशन ब्रदर्श के बैनर तले 10 नवबंर 1891 ई. को डब्लिन से निकले और 1892 ई. को हजारीबाग पहूंचे।

⇒इस मिशन से दिक्षित होने वाला प्रथम व्यक्ति गणपत था जिसे गाब्रियल नाम दिया गया।

⇒डब्लिन यूनिवर्सिटी मिशन द्वारा ही अविभाजित बिहार का सबसे पुराना कॉलेज संत कोलम्बा कॉलेज की स्थापना वर्ष 1899 ई. में की गई। रे जे एच मर्रे को इस कॉलेज का प्रथम प्रचार्य बनाया गया।

⇒वर्ष 1904 ई. में संत कोलम्बा कॉलेज को स्नातक स्तर की मान्यता मिली।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

© Click on :- Career foundation

झारखंड मे शिक्षा से सबंधित विभाग

विभाग

1. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

क) प्राथमिक शिक्षा निदेशालय

ख) माध्यमिक शिक्षा निदेशालय

2. उच्च तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास विभाग

क) प्राथमिक शिक्षा निदेशालय – कक्षा 1 से 8 तक शिक्षा का दायित्व एवं सम्बंधित योजनाओं का क्रियान्वयन

ख) माध्यमिक शिक्षा निदेशालय – कक्षा 9 से 12 तक की शिक्षा का दायित्व एवं सम्बधित योजनाओं का क्रियान्वयन

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

- **स्कुली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंग**

1. झारखंड अधिविध परिषद (J.A.C)
2. झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (J.E.T)
3. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् (J.E.P.C)
4. राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (R.M.S.A)
5. झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (J.C.E.R.T)
6. झारखंड मध्याह्न भोजन प्राधिकरण (M.D.M)

© Click on :- Career foundation

1. झारखंड अधिविध परिषद (J.A.C)

⇒स्थापना – 26 दिसम्बर 2003

⇒कार्य –

1. माध्यमिक, इंटरमीडिएट, संस्कृत एवं मदरसा शिक्षा के सभी परीक्षाओं का संचालन करना।
2. शिक्षक नियूक्ति हेतु प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन करना।
3. विद्यालय की स्थापना सम्बंधी कार्य

2) झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (J.E.T)

⇒इसकी स्थापना झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण एक्ट 2005 के तहत की गई।

⇒सहायता प्राप्त सम्बंद्ध एवं निजी विद्यालय के शिक्षकों के माता–पिता एंव अभिभावकों की समस्याओ के निराकरण हेतु एक अपीलीय न्यायाधिकरण है।

CAREER FOUNDATION

3) झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् (J.E.P.C)

⇒सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत 6–14 आयु वर्ग के सभी बच्चों को 8वीं तक की अनिवार्य एवं गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।

⇒झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद सोसाईटी अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत एक स्वायत संस्था है।

- J.E.P.C के द्वारा संचालित कार्यक्रम

○ सर्व शिक्षा अभियान

© Click on :- Career foundation

- प्राथमिक स्तर पर लड़कियो की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम
- कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय

4) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान

- राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के कार्यक्रम

⇒नए माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना

⇒पुराने विद्यालयों का सुदृढीकरण

⇒पुरस्कार , उपकरण , प्रयोगशाला , खेल मैदान, कम्प्युटर कक्ष की व्यवस्था करना।

⇒शिक्षकों का सेवाकालिन प्रशिक्षण

⇒आइ.टी.आई कार्यक्रम

⇒बालिका छात्रावास निर्माण

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

5) झारखंड शैक्षणिक अनुसंधान एंव प्रशिक्षण परिषद (J.C.E.R.T)

⇒यह शिक्षा के क्षेत्र में शोध करने व शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के लिए स्थापित है।

6) राज्य मध्याह्न भोजन कार्यक्रम

⇒मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का मुख्य कार्य राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों, गैर सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों एवं संस्कृत विद्यालयों मे कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों को दोपहर मे भोजन उपलब्ध कराना।

© Click on :- Career foundation